एक विशेष अपील : भोपाल की जनता के नाम

मेरे प्यारे भोपाल वासियों,

सर्वप्रथम मेरी तथा एम्स परिवार की ओर से आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएं !

जैसा कि आप जानते ही हैं कि दीपावली का पर्व हमारे अपने अंदर तथा समाज में व्याप्त अज्ञान रूपी अंधकार को खत्म कर ज्ञान रूपी प्रकाश का महोत्सव है। हमारे पूर्वजों ने इस त्यौहार को केवल दीपमालाओं के रूप में शुरू किया था और जीवन के लिए उसके कुछ सकारात्मक उद्देश्य थे लेकिन, कालांतर में दीपों का यह त्यौहार शांतिप्रिय घी एवं तेल की दीपमालाओं से विकृत होकर खतरनाक आतिशबाजियों की तरफ मुड़ गया है जो कि एक विभत्स एवं अशांति तथा आक्रामक मुद्रा को दर्शाता है। हाल ही में अनेक अनुसंधानों एवं शोध द्वारा यह सिद्ध हो गया है कि दीपावली के बाद का वातावरण अत्यंत प्रदूषित हो जाता है। दीपावली की रात को उच्च तापमान और उच्च ध्वनि पैदा करने वाले पटाखों, जहरीला धुआं देने वाली फुलझड़ियों आदि से अनेक बुजुर्गों को हार्ट अटेक और श्वास प्रक्रिया बाधित हो जाती है। हजारों बच्चों को अस्थमा (श्वास रोग) हो जाते हैं जो कभी कभी जीवन के लिए घातक रूप धारण कर लेते है और मृत्यु भी हो सकती है। अनेक गर्भवती महिलाओं के समयपूर्व प्रसव हो जाते हैं। कितने ही लोगों की आंखे चली जाती हैं जो फिर कभी इस सुंदर दुनिया को नहीं देख पाते।

सबसे ज्यादा असर तो उन मासूम और असहाय जानवरों जैसे कि गाय, भैंस, कुत्ते, बिल्ली तथा चहकते पक्षियों पर पड़ता है जो वातावरण को संतुलित बनाने में हमारी सहायता करते हैं। ऐसे ही कई पक्षियों की मृत्यु हो जाती है। पालतु कुत्तों को स्ट्रेस के कारण हार्ट अटेक आ सकता है।

अतः आपसे मेरा अनुरोध है कि कुछ क्षणों के इस उन्माद को छोड़कर उन बच्चों, अपने बुजुर्गों, माता–पिता, दादा–दादी एवं गर्भवती महिलाओं की सोचें और सोचें उन जानवरों की जो आपके जीवन में सहायक हैं। इस त्यौहार पर अपने घरों को केवल दीपमालाओं से सुसज्जित करें, घर और कार्यालयों को साफ करें और अपने दोस्तों को बधाई दें। हम शपथ लें कि न तो हम कोई उच्च ध्वनि के पटाखे और जहरीला धुआं देने वाली फुलझड़ियों चलायेंगे और न ही अपने पड़ौस में चलाने देंगे। आओ हम सब मिलकर भोपाल में एक इतिहास बनाते हैं।

"यद्यपि इस अनुरोध के बाद आशा करता हूं कि भोपाल में इस बार न कोई आंख खोएगा और न ही किसी को श्वास संबंधी बाधा उत्पन्न होगी तथापि मैं और मेरा एम्स परिवार आकस्मिक सुविधाओं के लिए तत्पर रहेगा।"

आपका शुभचिंतक

डॉ. सरमन सिंह
निदेशक
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल